लखनऊ के लोकभवन में प्रदर्शित किए जाएंगे ओडीओपी के सामान

ओडीओपी के उत्पाद अब मुंबई, दिल्ली तक बिकेंगे

तैयारी

75 जिलों के लिए यूपी के 57 ओडीओपी उत्पादों का चयन किया गया है

20 दिसंबर तक हो जाएगा ओडीओपी उत्पादों के निर्यात पर सर्वे

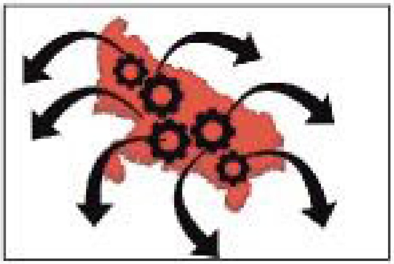

राज्य मुख्यालय | विशेष संवाददाता

यूपी के खास उत्पाद अब मुंबई, कोलकाता व दिल्ली के बिकेंगे। इन उत्पादों में कानपुर देहात के जस्ते के बर्तन, कुशीनगर के केले के रेशे से बने उत्पाद, गाजीपुर की जूट वाली हैंगिंग्स, झांसी के कोमल खिलौने, पीलीभीत की बांसुरी प्रमुख हैं।

ओडीओपी योजना को प्रधानमंत्री यूपी के लिए गेमचेंजर बता चुकें, योगी सरकार उसकी मार्केटिंग व ब्रांडिंग में जुट गई है। पहले चरण में गुजरात में ओडीओपी उत्पादों का एक शोरूम खोला गया है। अब सरकार की योजना दिल्ली, मुंबई व कोलकाता के यूपी भवनों में स्टाल लगाने हैं। इन भवनों में उन राज्यों व यूपी के जनप्रतिनिधि व अधिकारी आते जाते हैं। इस कारण उन राज्यों में इन उत्पादों का प्रचार प्रसार हो सकेगा।

लखनऊ के लोकभवन में ओडीओपी उत्पादों को खास तरीके से शोकेस करने की तैयारी है। यही नहीं ओडीओपी उत्पादों के आनलाइन आर्डर दिए जा सकते हैं। इन स्टालों पर आने वाले लोगों को बताया जाएगा कि इन उत्पादों की वजह से यूपी के जिले खास हैं और पर्यटक इन्हें वहां बनता या उत्पादित होता देख सकते हैं।

अभी प्रदेश के सभी 75 जिलों के लिए 57 ओडीओपी उत्पाद तय किए गए हैं। एक ही उत्पाद कई जिलों में अहमियत रखता है। मसलन, गुड़ फैजाबाद के अलावा मुजफ्फनगर में भी ओडीओपी उत्पाद है। यही नहीं जरी दरदोजी तो कासगंज, चंदौली, बदायूं, बरेली, लखनऊ व शाहजहांपुर का खास उत्पाद या कला है।

एमएसएमई विभाग के मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि लखनऊ में डिजाइन इंस्टीटयूट विश्वविद्यालय बनेगा। इसके लिए देश विदेश से विशेषज्ञ फैकल्टी का प्रबंध किया जाएगा। यह विश्वविद्यालय लखनऊ में शहीद पथ पर बनेगा। इसमें उद्यमियों को उनके उत्पादों की मार्केटिंग व विपणन का प्रशिक्षण दिया जाएगा साथ ही निर्यात में आने वाली बाधाओं को दूर कराया जाएगा।

संभल का क्रश बोन ओडीओपी में शामिल: यूपी के पश्चिमी जिले संभल में अब डिजाइनर बटन बनाने का केंद्र बनेगा। यह बटन क्रश बोन से बनेंगे। एमएसमएमई विभाग के मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने संभल जिले के लिए क्रश बोन उत्पाद को शामिल किया है।

हर जिले के ओडीओपी उत्पादों का चल रहा सर्वे

पेशेवर एजेंसियों द्वारा हर जिले के ओडीओपी उत्पादों के निर्माण, डिजाइन, पैकजिंग व निर्यात की संभावनाओं पर सर्वे किया जा रहा है। यह काम 20 दिसंबर तक हो जाने की उम्मीद है। इन सर्वे रिपोर्ट के आने के बाद जिले वार इन ओडीओपी उत्पादों को आगे बढ़ाया जाएगा और उद्यमियों की मदद कामन फैसिलिटी सेंटर के जरिए मदद की जाएगी।

Hindustan on Page-2 | 15.11.2019